विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **प्रवृत्ति मार्ग वालों को बाबा का डायरेक्शन**

खुश हूँ देखकर प्रवृत्ति मार्ग वालों की अवस्था
प्रवृत्ति और निवृत्ति के मध्य सुन्दर है व्यवस्था

बाप की याद की छत्रछाया के नीचे रहने वाले
माया के सर्व आकर्षणों से बचकर रहने वाले

ऐसे न्यारे निराले बच्चों के बाबा गुण गाता है
सच्चाई पर चलने वालों पर राजी हो जाता है

प्रवृत्ति का नियम है हर छोटी बात को समाना
किसी भी सूरत में कोई भी व्यर्थ नहीं फैलाना

छोटी मोटी बात अगर हम इधर उधर फैलाएंगे
तो विश्व कल्याण के कार्य से वंचित हो जाएंगे

हो जाओ राजी ज्ञान के हर राज को जानकार
खत्म करो व्यर्थ बातें तुम मेरा कहना मानकर

चाहते हो यदि मुझसे तुम सच्चा मिलन मनाना
सर्व प्रथम खुद को साकारी से आकारी बनाना

आपके लिए बनता हूँ मैं निराकारी से साकारी
तुम भी बनो फिर मेरे लिए साकारी से आकारी

मिलन का आनंद आएगा जब होंगे एक समान
एक बाप दूजा मैं तो फिर तीसरे का क्या काम

इतनी शुद्ध घनिष्ठता बापदादा से बढ़ाते जाओ
प्रवृत्ति में रहकर कमल पुष्प समान बन जाओ
*ॐ शांति

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi